University in News on 09 March 2020

AMAR UJALA

अब पांच हजार रुपये होगी एमबीए सेल्फ फाइनेंस की एडमिशन फीस

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन के सेल्फ फाइनेंस पाठ्यक्रम में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों को एडमिशन फीस के रूप में अब पांच हजार रुपये चुकाने होंगे। अभी तक यह फीस सिर्फ तीन सौ रुपये ही थी। लविवि की वित्त समिति ने एमबीए सेल्फ फाइनेंस पाठ्यक्रमों की कई मदों में बदलाव कर दिया है।

बदलाव के बाद एमबीए सेल्फ फाइनेंस फीस की किसी भी मद में ली जा रही फीस नियमित कोर्स से ज्यादा नहीं होगी। अभी तक एमबीए रेल्युलर की फीस कई मदों में सेल्फ फाइनेंस से ज्यादा थी। हालांकि इस बदलाव के बाद कुल फीस में किसी प्रकार का बदलाव नहीं होगा। लखनऊ विश्वविद्यालय में इस समय चार प्रकार के एमबीए पाठ्यक्रम संचालित हैं। इनमें लखनऊ यूनिवर्सिटी मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (लुंबा) के तहत रेग्युलर तथा सेल्फ फाइनेंस पाठ्यक्रम, आईएमएस में चलने वाले पाठ्यक्रम तथा एमबीए फाइव ईयर के पाठ्यक्रम शामिल हैं। लुंबा में रेग्युलर सीट पर दाखिला पाने वाले वाले विद्यार्थियों को 52 हजार 173 रुपये व सेल्फ फाइनेंस पाठ्यक्रम के लिए 81 हजार 80 रुपये फीस देनी होती है। इसके बावजूद फीस की कई ऐसी मदें हैं, जिनमें रेग्युलर के मुकाबले सेल्फ फाइनेंस पाठ्यक्रम में कम फीस ली जा रही थी। इस पर रेग्युलर पाठ्यक्रम के विद्यार्थी आपत्ति जताते थे। इसको देखते हुए कई मदों में बदलाव किया गया है। अब सेल्फ फाइनेंस पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को भी रेग्युलर पाठ्यक्रम की तरह पांच हजार रुपये एडमिशन फीस देनी होगी।

लविवि की वित्त समिति ने फीस की मद में परिवर्तन के प्रस्ताव पर लगाई मुहर

इन मदों में भी हुए बदलाव

सेल्फ फाइनेंस पाठ्यक्रम में अब लाइब्रेरी मद में 300 के बजाय 600, डेलीगेसी में 30 के बजाय 60 रुपये तथा विकास फीस 25 हजार के स्थान पर 30 हजार रुपये देनी होगी। कुल फीस पहले की तरह 81 हजार 80 रुपये ही रहेगी। विवि में पिछले सप्ताह हुई वित्त समिति में इस पर मुहर लगा दी गई है। बैठक में कई पाठ्यक्रमों की फीस पर भी विचार किया गया, लेकिन उनमें किसी प्रकार का बदलाव नहीं किया गया है।

HINDUSTAN LUCKNOW LIVE

आवेदन फार्म विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध कराए जाएंगे, करीब एक महीने ये प्रक्रिया चलेगी

लविवि में प्रवेश प्रक्रिया 16 मार्च के बाद

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2020-21 में प्रवेश के लिए आवेदन की प्रक्रिया 16 से 20 मार्च के बीच शुरू होगी। विश्वविद्यालय की प्रवेश समिति ने कार्यक्रम निर्धारित कर लिया है। आगामी 13 मार्च को समिति की बैठक में इस पर मुहर लगाई जाएगी।

उम्मीद जताई जा रही है कि छात्रों को बिना विलम्ब शुल्क के करीब एक महीने का समय आवेदन के लिए दिया जाएगा। वहीं, विलम्ब शुल्क के साथ 5 से 10 दिन का अतिरिक्त समय मिल सकता है। प्रवेश आवेदन विश्वविद्यालय की वेबसाइट lkouniv. ac. in पर उपलब्ध लिंक से ऑनलाइन किए जाएंगे। पिछले वर्ष स्नातक, परास्नातक व डिप्लोमा कोर्सों में प्रवेश के लिए आवेदन 15 मार्च से शुरू हुए थे। लगभग 160 कॉलेज लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध हैं।

13 मार्च को प्रवेश समिति की होगी बैठक

160 कॉलेज के करीब विवि से संबद्ध हैं

क्रिश्चियन कॉलेज में 15 अप्रैल से : लखनऊ क्रिश्चियन कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. मुकेश पति ने बताया कि 15 अप्रैल से आवेदन की प्रक्रिया शुरू होगी। यहां ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड पर आवेदन होंगे। दाखिले प्रवेश परीक्षा के आधार पर होंगे।

डीएवी में अप्रैल व विद्यांत कॉलेज में मई में आवेदन

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

डीएवी डिग्री कॉलेज में प्रवेश के लिए आवेदन की प्रक्रिया अप्रैल के पहले सप्ताह में शुरू होगी। आवेदन बीए और बीएससी पाठ्यक्रमों के लिए होंगे। प्रिंसिपल डॉ. केके पाण्डेय ने बताया कि आवेदन ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही तरीकों से लिए जाएंगे। आवेदन करने के लिए जुलाई के पहले सप्ताह तक का मौका मिलेगा। दाखिले मेरिट के आधार पर लिए जाएंगे। आवेदन का शुल्क करीब 800 रुपये होगा।

विद्यांत पीजी कॉलेज : प्रिंसिपल डॉ. धर्म कौर ने बताया कि प्रवेश के लिए आवेदन की प्रक्रिया मई के पहले सप्ताह में शुरू होंगे। ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से आवेदन लिए जाएंगे। दाखिले मेरिट के आधार पर होंगे।

तैयारी

- बीएसएनवी, जेएनपीजी और क्रिश्चियन कॉलेज के बाद डीएवी व विद्यांत का कार्यक्रम भी आया
- ऑनलाइन के साथ ही ऑफलाइन आवेदन लिए जाएंगे

बीएसएनवी में 20 मार्च से आवेदन : प्राचार्य डॉ. राकेश चंद्र ने बताया कि आवेदन की प्रक्रिया 20 मार्च से शुरू करने की तैयारी है। अभ्यर्थी कॉलेज की वेबसाइट ६६६. २ह्य९स्त्रद्ध'त्रि.ह्य से आवेदन सकेंगे हैं। स्नातक और परास्नातक दोनों के लिए आवेदन फार्म उपलब्ध है।

जेएनपीजी में 31 मार्च तक

श्री जयनारायण पीजी कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. एसडी शर्मा ने बताया कि 31 मार्च तक शुरू करने की तैयारी है। स्नातक व परास्नातक कक्षाओं में प्रवेश के लिए आवेदन लिए जाएंगे। आवेदन फार्म वेबसाइट ६६६.लसत्र. इ१त्र.ल पर उपलब्ध है। महाविद्यालय के स्नातक पाठ्यक्रम बीए रेगुलर, बीए सेल्फ फाइनेंस, बीकॉम रेगुलर व सेल्फ फाइनेंस, बीएससी रेगुलर, बीपीएड सेल्फ फाइनेंस, बीबीए आइबी, एमए हिंदी, एमए समाजशास्त्र, एमए अर्थशास्त्र, एमए अंग्रेजी, एमकॉम प्योर, एमकॉम एप्लाइड इकोनॉमिक्स समेत अन्य पाठ्यक्रम शामिल हैं।

आवेदन जून के अन्तिम सप्ताह तक लिए जाएंगे। बीएसएनवी में स्नातक में बीए, बीकॉम और बीएससी कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। वहीं पोस्ट ग्रेजुएशन में एमए हिंदी, एमए सोशियोलॉजी व एमएससी जंतु विज्ञान कोर्स के लिए आवेदन उपलब्ध हैं।

DAINIK JAGRAN

बाथ स्पा विश्वविद्यालय व आर्ट कॉलेज मिलकर करेंगे काम

दोनों के बीच **समझौता पत्र** हस्ताक्षर होने का रास्ता साफ

जागरण संवाददाता, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के आर्ट कॉलेज के दिन अब फिर बहुरेंगे। यहां के छात्र छात्राओं को विदेश के विश्वविद्यालयों के साथ पढ़ाई का मौका मिलेगा। इतना ही नहीं शिक्षक को भी अपनी पर्सनालटी डेवलप करने का मौका मिला। दरअसल, लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने बाथ स्पा यूनिवर्सिटी आफ यूके और आर्टस कॉलेज के बीच एक समझौता पत्र हस्ताक्षर करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। इसके तहत स्टूडेंट, टीचर लर्निंग एंड ट्रेनिंग प्रोग्राम के तहत यूके जाएंगे।

ये प्रोग्राम छात्रों के लिए कॅरियर का रास्ता तैयार करेगा। इसी दिशा में लगभग 10 वर्षों से चल रहे प्रयास को मौजूद कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने हरी झंडी दे दी है। एमओयू के तहत आर्ट कॉलेज और यूके की बाथ स्पा यूनिवर्सिटी के बीच टीचिंग एंड ट्रेनिंग का आदान प्रदान होगा। आर्ट कॉलेज के डीन डॉ. आलोक कुमार ने बताया कि बाथ स्पा यूनिवर्सिटी विश्व की चौथे नंबर की यूनिवर्सिटी है। लविवि के आर्ट कॉलेज की स्थापना के पीछे भी लंदन का इतिहास रहा है।

1911 में आर्ट कॉलेज की हुई थी स्थापना

15 स्टूडेंट, टीचर लर्निंग एंड ट्रेनिंग प्रोग्राम के तहत जाएंगे यूके

- एमओयू के तहत आर्ट कॉलेज और यूके की बाथ स्पा युनिवर्सिटी के बीच टीचिंग एंड ट्रेनिंग का होगा आदान-प्रदान
- लखनऊ विश्वविद्यालय के आर्ट कॉलेज की स्थापना के पीछे भी लंदन का रहा है इतिहास

2011 में मिला था प्रस्ताव

वर्ष 2011 में बाथ स्पा यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ आर्ट से भारतीय मूल के प्रवीण शर्मा आर्ट कॉलेज आए थे। उस समय उन्होंने खुद टीचिंग एंड ट्रेनिंग प्रोग्राम का प्रस्ताव दिया था। इसके बाद निवर्तमान कुलपति मनोज कुमार मिश्रा, कुलपति ने ज्यादा ध्यान नहीं दिया। वर्तमान कुलपति प्रो. आलोक राय ने इस एमओयू पर सहमति जाहिर कर दी है। उनका कहना है कि स्टूडेंट एंड टीचिंग लर्निंग प्रोग्राम से आर्ट कॉलेज के छात्रों और शिक्षकों को फायदा मिलेगा। प्रोग्राम में लखनऊ आर्ट कालेज के 15 छात्र और तीन शिक्षक यूके जाएंगे।

वर्ष 1911 में आर्ट कॉलेज की स्थापना हुई थी। जिसे रायल कॉलेज ऑफ लंदन से आए शिक्षकों ने शुरू किया था। इसे पांच स्कूलों के आर्टिस्टों ने शुरू किया था। प्रो. मैथलिन आर्ट कॉलेज के पहले एचओडी रहे हैं। यहां रायल कॉलेज लंदन से मूर्तिकार भी आए थे। वहां से बच्चों को पढ़ाने के लिए सामान भी लाया गया था, उसी से कॉलेज शुरू हुआ।